[This question paper contains 02 printed pages]

[इस प्रश्न पत्र में 02 मुद्रित पृष्ठ हैं]

Himachal Pradesh Administrative Service Combined Competitive (Main / Written) Examination, 2020

हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य / लिखित) परीक्षा, 2020

PHILOSOPHY (PAPER-I)

दर्शनशास्त्र (पेपर-I)

Time allowed: Three Hours | Maximum Marks: 100

निर्धारित समय: तीन घंटे | अधिकत्तम अंक: 100

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

प्रश्न पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें।

1. There are EIGHT questions printed both in English & Hindi.
   इसमें आठ प्रश्न हैं जो अंग्रेजी और हिंदी दोनों में छपें हैं।
2. Candidate has to attempt FIVE questions in all in English or Hindi.
   उम्मीदवार को कुल पांच प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में देने हैं।
3. Question No.1 is compulsory. Out of the remaining SEVEN questions, FOUR are to be attempted.
   प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। शेष सात प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
4. All questions carry equal marks. The number of marks carried by a question / part is indicated against it.
   सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न / भाग के नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Write answer in legible handwriting. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
   सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए।
6. Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
   प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो। छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।
7. Re-evaluation / Re-checking of answer book of the candidate is not allowed.
   उम्मीदवार की उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं है।

---

1. Write short notes on the following : (5x4=20)

   निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

   (i) Ananyathāsiddha causes in Nyāya philosophy

   न्याय दर्शन के अनन्यथासिद्ध कारण

   (ii) Contraposition

   प्रतिपरिवर्तन

   (iii) Sarvasaṁbhavābhāvāt argument of Sāṅkhya philosophy

   सांख्य दर्शन का सर्वसंभवाभावात तर्क

   (iv) Kant's Rational Psychology

   कान्ट का बौद्धिक मनोविज्ञान

2. Discuss the concept, characteristics and fallacies related with Hetu, according to Nyāya philosophy. (20)

   न्याय दर्शन के अनुसार हेतु की अवधारणा, लक्षण एवं हेतु से संबंधित तर्कदोषों की विवेचना करें।

3. Critically evaluate the concepts of Sat, Mithyā and Khyāti, in the light of Advaitism. (20)

   अद्वैतवाद के आलोक में सत्, मिथ्या एवं ख्याति के अवधारणाओं का समीक्षात्मक मूल्यांकन करें।

4. Critically compare the concepts of Form, as presented by Plato and Aristotle. (20)

   प्लेटो एवं अरस्तू द्वारा प्रस्तुत आकार की अवधारणाओं की समीक्षात्मक तुलना करें।

5. Critically evaluate Hume's concept of Causality. (20)

   ह्यूम के कारणता की अवधारणा का समीक्षात्मक मूल्यांकन करें।

6. Explain the concepts of Categorical Syllogism and Existential Presupposition. Also, state the rules of validity and their related fallacies. (20)

   निरुपाधिक न्यायवाक्य एवं सत्तात्मक पूर्वमान्यता के अवधारणाओं की व्याख्या करें। वैधता के नियम एवं उनसे संबंधित तर्कदोषों का भी कथन करें।

7. Construct a formal proof of validity for the following argument: (20)

   अधोलिखित तर्क के लिए वैधता के एक आकारिक प्रमाण की संरचना करें :

   1. $A \supset B$
   2. $B \supset C$
   3. $C \supset A$
   4. $A \supset \sim C \quad / \therefore \sim A \,.\, \sim C$

8. Critically evaluate Vivekananda's concept of the Absolute and the world. (20)

   विवेकानन्द के निरपेक्ष तत्त्व एवं जगत् के अवधारणाओं का समीक्षात्मक मूल्यांकन करें।

*****